पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत सरकार

महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सारांश- फरवरी, 2023

1. **माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां**:
   अनुलग्नक-I में दी गई हैं।

2. **व्यापक अंतर मंत्रालयी विचार-विमर्श के कारण रुके हुए महत्वपूर्ण नीतिगत पहलू/मामले आदि**:
   शून्य।

3. **मंत्रालय में तीन महीने से अधिक समय से लंबित अभियोजन के लिए स्वीकृति के मामले**:
   शून्य।

4. **ऐसे मामलों का विवरण जिसमें सरकार के कार्य व्यवहार या स्थापित नीति में छूट दी गयी है**:
   शून्य

5. **चालू स्वच्छता अभियान की स्थिति (विशेष अभियान के तहत प्रगति):**
   परिसर की सामान्य सफाई।

6. **स्वायत्त निकायों के पुनर्गठन की स्थिति:**
   मंत्रिमंडल ने दिनांक 13 जुलाई, 2022 को हुई अपनी बैठक में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन 5 स्वायत्तशासी निकायों का एक स्वायत्तशासी निकाय में विलय करने के लिए अपना अनुमोदन दे दिया।

7. **प्रशासन और विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए मंत्रालय द्वारा किए गए विशिष्ट उपायों के संबंध में सूचना:**
   समुद्र की सतह का तापमान और क्लोरोफिल जैसे उपग्रह से प्राप्त किए गए मापदंडों का उपयोग करके मछली पकड़ने के संभावित क्षेत्र की परामर्शिकाएं जारी की जाती हैं। इसके अलावा, अल्पावधि और मध्यम अवधि के मौसम का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल सैटेलाइट के डेटा का सतत रूप से उपयोग किया जाता है।

8. स्वायत्त निकायों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित मंत्रालय/विभाग में वरिष्ठ स्तर की नियुक्तियों की रिक्ति की स्थिति:

इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय/विभाग और उसके संगठनों के मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्यौरा एवीएमएस पर अद्यतन किया गया है और इसका ब्यौरा **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

9. ऐसे मामलों की सूची जिनमें मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया है:

इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन किया गया है।

10. माह के दौरान पास कर दिए गए एफडीआई प्रस्तावों का विवरण तथा मंत्रालय/विभाग में अनुमोदन हेतु प्रतीक्षारत एफडीआई प्रस्तावों की स्थिति :

लागू नहीं।

****

अनुलग्नक-I

लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:

- इंटरनेशनल सीबेड अथॉरिटी (आईएसए) के महासचिव, श्री माइकल डब्ल्यू. लॉज ने फरवरी 2023 के दौरान पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का दौरा किया। माननीय केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की उपस्थिति में महासचिव, आईएसए और सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने मध्य हिंद महासागर बेसिन में पॉली-मेटैलिक नोड्यूल्स (पीएमएन) की खोज के लिए पांच साल के विस्तार समझौते का 1 फरवरी 2023 को आदान-प्रदान किया। ।

- आगामी गर्म मौसम की ऋतु (मार्च से मई) के दौरान, पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों, पूर्व और मध्य भारत और उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ भागों में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने की संभावना है। देश के शेष भागों में सामान्य से लेकर सामान्य से कम अधिकतम तापमान रहने की संभावना सबसे अधिक है; दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत, जहां सामान्य से लेकर सामान्य से कम न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है, को छोड़कर देश के अधिकांश भागों में सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है।

- मध्य और आसपास के उत्तर पश्चिम भारत के अनेक क्षेत्रों में मार्च से मई की ऋतु के दौरान लू की घटनाएं बढने की संभावना है। मार्च 2023 के दौरान मध्य भारत में लू की घटनाएं होने की कम संभावना है।

- देश भर में मार्च 2023 में औसत वर्षा सामान्य (इसके दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 83-117%)रहने की संभावना है। उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश क्षेत्रों, पश्चिम मध्य भारत तथा पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कुछ भागों में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है। प्रायद्वीपीय भारत के अधिकांश भागों, पूर्व मध्य भारत और पूर्वोत्तर भारत के कुछ इक्का-दुक्का भागों में सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है।

- 19 फरवरी 2023 को 1200 UTC पर शिवमोग्गा हवाई अड्डा, कर्नाटक के लिए मौसम विज्ञान सेवा शुरू हुई।

- राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केन्द्र ने 13 फरवरी 2023 को पुदुच्चेरी के माननीय एलजी और मुख्यमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में 'संघ राज्य क्षेत्र – पुदुच्चेरी के लिए समुद्री स्थानिक योजना का डिजिटल ड्राफ्ट' जारी किया।

- राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केन्द्र ने 17 फरवरी 2023 को भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार और नॉर्वे के राजदूत, महामहिम हंस जैकब फ्रायडेनलेंड की गरीमामयी उपस्थिति में 'संघ राज्य क्षेत्र- लक्षद्वीप के लिए समुद्री स्थानिक योजना का डिजिटल ड्राफ्ट' जारी किया।

- राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केन्द्र ने 17 फरवरी 2023 को संघ राज्य क्षेत्र लक्षद्वीप के प्रशासक के कर कमलों से "संघ राज्य क्षेत्र लक्षद्वीप के लिए तटरेखा परिवर्तन एटलस" जारी किया।

- भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र ने हाल ही में अनुसंधान पोत सागर निधि पर एक अत्याधुनिक एड्डी कोवैरियंस फ्लक्स सिस्टम (ECFS) स्थापित किया है। यह प्रणाली अद्वितीय परिशुद्धता के साथ वायु-समुद्री प्रवाह के आदान-प्रदान को मापती है, जिससे भारतीय समुद्रों में सागर निधि स्थायी आधार पर एड्डी कोवैरियंस प्रवाह एकत्र करने वाले एकमात्र गतिशील प्लेटफार्म बन गया है।

- भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र ने 3 फरवरी को अपना 25वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर, निम्नलिखित का शुभारंभ/उद्घाटन किया गया है:

    1. राष्ट्रीय ग्लाइडर संचालन सुविधा।
    2. भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र की 25 साल की यात्रा को दर्शाने के लिए नया लोगो।
    3. इंटरनेशनल ट्रेनिंग सेंटर फॉर ऑपरेशनल ओशनोग्राफी (आईटीसीओओ) में एक ई-क्लासरूम सुविधा।
    4. ओशनसैट-3 डेटा अधिग्रहण और प्रसंस्करण सुविधा।
    5. हिंद महासागर के लिए समुद्री हीट वेव सेवा।

- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 1 फरवरी, 2023 को अनुकूलित मौसम पूर्वानुमान के माध्यम से बिजली के सुव्यवस्थित और रणनीतिक प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए तेलंगाना स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (TSSLDC) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

- दोनों संस्थानों के बीच अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत मौसम विज्ञान विभाग ने चितकारा विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

निर्णय/अनुमोदन की आवश्यकता वाला कोई भी मामला मंत्रिमंडल के समक्ष लंबित नहीं था।

<u>न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन;</u>

- किसान पोर्टल और सरकारी निजी सहभागिता मोड के माध्यम से देश में एस.एम.एस और आईवीआर प्रौद्योगिकी के जरिए उपयोक्ता समुदायों के लिए एग्रोमेट परामर्शिकाओं का प्रसारण जारी है। वर्तमान में, देश में लगभग 7.6 मिलियन किसान सीधे ही परामर्शिकांए प्राप्त कर रहे हैं।
- राज्य सरकार के अधिकारियों/ आपदा संबंधी अधिकारियों/केंद्र सरकार के संगठनों/जन सामान्य को मोबाइल के माध्यम से प्रतिकूल मौसम के बारे में एसएमएस से चेतावनियां भेजी जा रही हैं।
- राज्य प्राधिकरणों, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया सहित सभी प्रयोक्ताओं को ई-मेल के माध्यम से कई शहरों के लिए चेतावनी और शहरी पूर्वानुमान के साथ-साथ दैनिक पूर्वानुमान प्रसारित किये जाते हैं।

<u>वायु मंडलीय प्रेक्षण प्रणाली नेटवर्क</u>

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक चालू किए गए	महीने के दौरान स्थापित।	डेटा रिपोर्टिंग।
स्वचालित मौसम स्टेशन (AWS)	*457	--	457
स्वचालित वर्षा मापक (ARG)	**466	--	466
एग्रो एडब्ल्यूएस	200	--	194
जीपीएस सोंडे आधारित आरएस/आरडब्ल्यू स्टेशन	56	--	56
डॉपलर मौसम रडार	***37	--	26
ओजोन (ओजोन सोंदे+कुल ओजोन)	02	--	02
सतह ओजोन (<u>विद्युत-रासायनिक सांद्रता सेल</u> विधि)	07	--	05
नेफेलोमीटर	12	--	09
स्काई रेडियोमीटर	20	--	17
ब्लैक कार्बन मॉनिटरिंग सिस्टम (अथैलोमीटर)	25	--	19
वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (सफर)	10 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)	--	09 (दिल्ली) ****शून्य (मुंबई) शून्य (अहमदाबाद)
हाइड्रोमैट (भारत मौसम विज्ञान विभाग एवं एडब्ल्यूएस एवं एआरजी को छोडकर अन्य विभाग)	---	--	3157
विमानन	94	--	94
रेडिएशन स्टेशन	47	---	47

* स्थापित किए गए कुल 808 में से 351 पुराने हैं।

** स्थापित किए गए कुल 1382 में से 916 पुराने हैं।

***भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के दो डॉप्लर मौसम रडार सहित।

**** फर्म के साथ अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया गया है।

मॉडलिंग

फरवरी, 2023 के दौरान, हर सप्ताह गुरुवार को, बारिश, सतह के तापमान और हवाओं (पूर्ण क्षेत्रों और विसंगतियों) के लिए चार सप्ताह के लिए राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र, युग्मित मॉडल आधारित विस्तृत पूर्वानुमान (ईआरपी) (i) आईएमडी के दीर्घ अवधि के पूर्वानुमान और कृषि-मौसम प्रभाग, (ii) भारतीय

उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) ईआरपी समूह, (iii) अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (SAC), (iv) डिफेंस जियो-इनफोर्मेटिक्स रिसर्च एस्टेब्लिशमेंट (DGRE), (v) भारतीय वायु सेना (IAF), (vi) भारतीय नौसेना, (vii) जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (GSI), (viii) नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी (NIH), (ix) आईएमडी के सभी प्रादेशिक केंद्र और (x) बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल तकनीकी और आर्थिक सहयोग (बिम्सटेक) देशों के मौसम विभागों को रियल टाइम में प्रदान किए गए । इसके अतिरिक्त, हिमपात के पूर्वानुमान रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा भारतीय वायु सेना को उपयोग के लिए उपलब्ध करवाए गए। माह के अंतिम गुरुवार अर्थात् 23 फरवरी, 2023 को फरवरी, 2023 के लिए मान्य मासिक औसत पूर्वानुमान भी उपयोक्ताओं के लिए शामिल किए गए थे।

मासिक मौसम सारांश (फरवरी (2023

क) माह के दौरान महत्वपूर्ण मौसम संबंधी घटनाएं

पश्चिमी विक्षोभ:

महीने के दौरान छह पश्चिमी विक्षोभों और चार प्रेरित चक्रवाती हवाओं ने उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित किया था। उनके प्रभाव में, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में वर्षा/बर्फबारी/गरज के साथ तूफान की सूचना मिली थी, जबकि महीने के दौरान कुछ दिनों में आस-पास के मैदानी इलाकों में छिटपुट वर्षा/ गरज के साथ तूफान की सूचना प्राप्त हुई। पश्चिमी विक्षोभ के अवशेषों ने महीने के दौरान पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों और इससे सटे उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में बारिश/बर्फबारी/ गरज के साथ तूफान का कारण बना।

कोहरा:

महीने के दौरान कुछ दिनों में उत्तर पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में घना से बहुत घना कोहरा ,पश्चिम-दर्ज किया गया ।

ख) वर्षा परिदृश्य :

फरवरी 2023 के महीने में पूरे देश में वर्षा 7.2 मिमी दर्ज की गई है, जो 22.7 मिमी के दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 32% है। फरवरी 2023 के लिए पूरे देश में मासिक वर्षा बहुत कम (-68%) रही।

ग) भारी वर्षा की घटनाएँ:

जारी की गई चेतावनी	भारी/बहुत भारी वर्षा की घटनाओं की संख्या (>64.4 मिमी): 330 वर्षा के लिए सही प्रतिशत (% में)> 64.4 मिमी
दिन 1 / 24 घंटे	99
दिन 2 / 48 घंटे	100
दिन 3 / 72 घंटे	99

घ) तापमान परिदृश्य :

पूरे देश के लिए फरवरी 2023 के महीने का औसत तापमान 22.92 डिग्री सेल्शियस था जो सामान्य से +1.28 डिग्री सेल्शियस अधिक था। 16 फरवरी 2023 को भुज (सौराष्ट्र और कच्छ) में अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री सेल्शियस दर्ज किया गया था और महीने के दौरान देश के मैदानी इलाकों में 2 फरवरी 2023 को चूरू (पश्चिम राजस्थान) में 3.0 डिग्री सेल्शियस का न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

ङ) गरज के साथ तूफान और ओलावृष्टि की घटनाएँ :

महीने के दौरान (महीने की अंतिम तारीख को भारतीय मानक समय 0830 बजे तक) आंधी और ओलावृष्टि की घटनाएँ नीचे तालिका में दी गई है:

क्र.सं.	क्षेत्र	गरजने वाले दिन	ओलावृष्टि की घटनाएँ	गरजने की घटनाएँ	धूल भरी आँधी
1.	दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत	02	शून्य	शून्य	शून्य
2.	उत्तर पश्चिमी भारत	08	5 {बटोटे-10 फरवरी , भुंतर -10 फरवरी, देहारादून - 21 फरवरी, शिमला -21 फरवरी, पंतनगर - 22 फरवरी)}	शून्य	शून्य
3.	पूर्वोत्तर भारत	08	1 {पासीघाट -22 फरवरी }	शून्य	शून्य
4.	पूर्वी भारत	04	2 {गंगटोक – 07 & 22 फरवरी }	शून्य	शून्य
5.	मध्य भारत	01	शून्य	शून्य	शून्य
6.	पश्चिम भारत	0	शून्य	शून्य	शून्य

जारी किए गए बुलेटिन/प्रेस विज्ञप्तियां/ चेतावनियां:

अखिल भारतीय मौसम बुलेटिन:- 112, अखिल भारतीय अनुमान और विषम मौसम की चेतावनी:- 112, अखिल भारतीय साप्ताहिक मौसम रिपोर्ट:- 4, उष्णदेशीय चक्रवात पूर्वानुमान कार्यक्रम के तहत दैनिक मार्गदर्शन: 28, साइक्लोजेनेसिस के लिए विस्तारित रेंज आउटलुक:- 4, पश्चिमी और मध्य हिमालय क्षेत्र के लिए पर्वतीय मौसम बुलेटिन जारी:- 56, समुद्री मौसम बुलेटिन:- 56, अगले 5 दिनों के लिए भारी बारिश, तेज हवाओं, ऊंची लहरों और तूफान की लहरों के बारे में विषम मौसम मार्गदर्शन: 28, अगले 5 दिनों के लिए

उत्तरी हिंद महासागर में मछुआरों के लिए दैनिक चेतावनी: 28, अगले 12 घंटों के लिए भारतीय नौसेना फ्लीट के लिए पूर्वानुमान: 56, अगले 36 घंटों के लिए ग्लोबल मैरीटाइम डिस्ट्रेस सेफ्टी सिस्टम के तहत गहरे समुद्र में जहाजों के लिए बुलेटिन:- 56, प्रतिकूल मौसम के लिए नाउकास्ट गाइडेंस बुलेटिन:- 28, माह के दौरान जारी की गई प्रेस विज्ञप्ति:- 42

प्रकाशन और प्रचालन रिपोर्ट:

1. फरवरी 2023 के महीने के लिए ईएनएसओ बुलेटिन और फरवरी से मई 2023 की अवधि के लिए दक्षिण एशिया के लिए मौसमी जलवायु आउटलुक जारी किया गया।
   (त्वरित लिंक: www.imdpune.gov.in/Clim_Pred_LRF_New/Products.html)

2. सितंबर, अक्टूबर, नवंबर और जून से सितंबर 2022 के लिए क्लाइमेट डायग्नोस्टिक बुलेटिन प्रकाशित कर वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

भूकंपीय प्रेक्षण नेटवर्क

प्रेक्षण प्रकार	**अब तक स्थापित**	**महीने के दौरान डेटा रिपोर्टिंग**
भूकंपीय केंद्र	152	131

भूकंप और सुनामी निगरानी

<u>भूकंप :</u> भारतीय क्षेत्र में 136 भूकंपों की निगरानी की गई, जिनमें से 4 भूकंप 5.0 तीव्रता से अधिक के थे।

<u>सुनामी :</u> माह के दौरान सूनामी उत्पन्न करने की क्षमता वाले 3 समुद्र तलीय भूकंप (M>6) आये। यह सूचना भूकंप आने के 12 मिनट के अंदर प्रदान की गई।

<u>समुद्र प्रेक्षण प्रणाली</u>

प्लेटफार्म का प्रकार	**माह के दौरान शुरु किए गए**	**माह के दौरान प्राप्त डेटा**
अर्गो फ्लोट्स*	80	51
मूरेड बुयो	19	12
टाइड गेज	36	33
उच्च आवृत्ति (HF) राडार	12	7
एक्वास्टिक डॉपलर करंट प्रोफाइलर (ADCP)	20	17
सुनामी बुयो	7	5
वेव राइडर बुयो	16	12

<u>समुद्री विज्ञान सेवाएं</u>

क्र.सं.	पूर्वानुमान के प्रकार	माह के दौरान जारी की गई परामर्शिकाओं की संख्या
1.	एकीकृत संभावित मत्स्ययन क्षेत्र (PFZ) परामर्शिकाएं (समुद्री सतह तापमान (SST), क्लोरोफिल, विंड)।	31
2.	टूना मछली पकड़ने की परामर्शिकाएं	17
3.	समुद्री दशा का पूर्वानुमान (OSF) लहरें, पवन,धाराएं, एसएसटी(समुद्र सतह का तापमान), MLD (मिश्रित परत की गहराई) और D20 पूर्वानुमान	31
4.	रियल टाइम वैश्विक समुद्र विश्लेषण (दैनिक)	31
5.	कोरल विरंजन चेतावनी प्रणाली	8

<u>आउटरीच एवं जागरुकता</u>

- दिनांक 07-02-2023 को एक दिवसीय ऑनलाइन "विमानन मौसम विज्ञान में पुनश्चर्या प्रशिक्षण पाठ्यक्रम" आयोजित किया गया, इसका शुभारंभ भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक द्वारा किया गया, जिसमें विमानन मौसम विज्ञापन प्रेक्षण एवं रिपोर्ट्स तथा विमानन पूर्वानुमान एवं चेतावनी सम्बन्धी मुद्दों पर विशेष दल किया गया।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर एवं आईएमडी वेबसाइट के माध्यम से अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा में लगभग 5 मिनट अवधि के मौसम पूर्वानुमान सम्बन्धी वीडियो प्रतिदिन जारी किए।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा वेबसाइट एवं सोशल मीडिया (फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब आदि) के माध्यम से प्रत्येक गुरूवार को विस्तृत अवधि पूर्वानुमान (दो सप्ताह तक का) सम्बन्धी साप्ताहिक वीडियो जारी किया जाता है।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा देशभर के अंदर पूर्वानुमानकर्ताओं द्वारा दैनिक साक्षात्कार दिया गया।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा नियमित रूप से पूर्वानुमान वीडियो क्षेत्रीय भाषाओं में जारी किए गए थे।
- ग्राफिक युक्त बुलेटिन एवं चेतावनी सोशल मीडिया समेत फेसबुक, ट्विटर, इंस्ट्राग्राफ, यूट्यूब एवं आईएमडी ब्लॉग पेज के माध्यम से भी जारी किए गए।

- NCMRWF ने दिनांक 20-25 फरवरी 2023 के दौरान भारतीय वायु सेवा के अधिकारियों को लिए मॉडलिंग एवं पूर्वानुमान गतिविधियों सम्बन्धी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया। उन्हें NCMRWF में सुपर कंप्यूटर सुविधाओं के बारे में बताया गया।
- 13 से 25 फरवरी 2023 के दौरान कलकत्ता विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने NCMRWF में सुपर कम्प्यूटर्स का प्रयोग करते हुए पूर्वानुमान एवं मॉडलिंग सम्बन्धी इन-पर्सन प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित हुए।
- विभिन्न कॉलेज / संस्थानों / विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने समुद्री सजीव संसाधन और पारिस्थितिकी केंद्र (CMLRE), INCOIS, ITTM, NCMRWF का दौरा किया।
- 'नारी ज्ञान बढ़े विज्ञान' के हिस्से के रूप में NCMRWF ने महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए विज्ञान में 8वां अन्तरराष्ट्रीय दिवस दिनांक 11 फरवरी 2023 को NCMRWF कैंपस में आयोजित किया।
- आईआईटीएम ने 6 से 10 फरवरी 2023 के दौरान नेशनल ट्रेनिंग वर्कशॉप ऑन फंडामेंटल्स ऑफ डेटा एसिमिलेशन (NTDA) का द्वितीय चरण संचालित किया, इसमें ओकलाहोमा विश्वविद्यालय, यूएसए के प्रोफेसर लक्ष्मीवाराहन द्वारा बिग डेटा एनालिसिस पर ओपेन लेक्चर श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें 40 प्रतिभागी उपस्थित हुए।
- राष्ट्रीय वायुमण्डलीय रासायनिकी पर कार्यरत अनुसंधानकर्ताओं की टीम के समन्वयन में आईआईटीएम ने "नेशनल एटमॉस्टफेरिक केमिस्ट्री सेमिनार सीरीज (NACSS)" नामक एक मासिक संगोष्ठी श्रृंखला आरंभ की। इस श्रृंखला की प्रथम सेमिनार दिनांक 24 फरवरी 2023 को आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर चंद्रा वेंकटरमण ने ऑनलाइन संचालित किया। इस ऑनलाइन सेमिनार का उद्देश्य भारत में वायुमंडलीय रसायन विज्ञान पर कुछ अत्याधुनिक शोध कर रहे वैज्ञानिकों के बीच संपर्क बढ़ाना है और यह शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए लाभदायक होगा।
- IITM ने 28 फरवरी को अपने परिसर में एक ओपेन डे मनाकर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। इस अवसर पर, छात्रों / आगंतुकों / मीडियाकर्मियों / आदि को आईआईटीएम में विभिन्न अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं / प्रयोगशालाओं के निर्देशित दौरे पर ले जाया गया ताकि उन्हें संस्थान की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां दिखाई जा सके और उन्हें एक परिचयात्मक वार्ता और वृत्तचित्र फिल्म के माध्यम से आईआईटीएम की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।
- एम एस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन (MSSRF) के सहयोग से INCOIS यूजर इंटरेक्शन प्रोग्राम 1 फरवरी 2023 को तूतीकोरिन में और 8 फरवरी 2023 को कराईकल में आयोजित किया गया। मछुआरों को संभावित मत्स्य पालन क्षेत्र परामर्शिका और समुद्री दशा पूर्वानुमान से सम्बन्धित नई सेवाओं के लाभों से परिचित कराया गया।
- 9 फरवरी 2023 को, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह प्रशासन द्वारा आपातकालीन सेवाओं की तत्परता का परीक्षण करने के लिए अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में एक सुनामी मॉक अभ्यास आयोजित किया गया। INCOIS ने सभी हितधारकों को भारतीय समयानुसार 09:07-13:00 बजे के बीच सात परीक्षण बुलेटिन जारी किए और कई स्थानों पर सार्वजनिक निकासी की गई।

- ITCOO-INCOIS ने 16 - 23 फरवरी, 2022 के दौरान "डेटा साइंस और AI" पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया। एनआईओटी, चेन्नई और भारतीय नौसेना के अधिकारियों सहित लगभग 35 प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- INCOIS ने राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान - आरसी विशाखापत्तनम और सेंटर फॉर स्टडीज ऑन बे ऑफ बंगाल (CSBOB), आंध्र यूनिवर्सिटी के सहयोग से 20 से 24 फरवरी के दौरान बंगाल की खाड़ी अध्ययन केंद्र में 'समुद्र प्रेक्षण प्रणालियों, समुद्री दशा पूर्वानुमान, कोस्टल डायनामिक्स, संभावित मत्स्य पालन क्षेत्र' विषयों पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का लक्षित समूह युवा शोधकर्ता, तकनीशियन, पेशेवर और समुद्री और मछली पकड़ने की गतिविधियों से संबंधित सरकारी कर्मचारी थे।
- INCOIS ने केरल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में क्षेत्रीय स्तर पर INCOIS वित्तपोषित परियोजनाओं के परियोजना जांचकर्ताओं के सहयोग से छह (6) उपयोगकर्ता सहभागिता कार्यशालाओं/जागरूकता अभियानों का आयोजन किया। ऑपरेशनल ओशन सर्विसेज टीम के सदस्यों ने भाग लिया और व्याख्यान दिए और मछुआरों / उपयोगकर्ता समुदाय के साथ बातचीत की।
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय G20 ईवेंट्स में सहभागिता कर रहा है।

<u>प्रकाशन</u>

विषय	**प्रकाशन**			**पीएचडी**		
	अप्रैल 22 - जनवरी, 2023	**फरवरी 23**	**कुल**	**अप्रैल 22 - जनवरी, 2023**	**फरवरी 23**	**कुल**
वायुमण्डलीय विज्ञान	**166**	15	**181**	**21**	1	**22**
समुद्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	**75**	5	**80**	**6**	-	**6**
ध्रुवीय विज्ञान	**24**	1	**25**	**-**	-	**-**
भूविज्ञान एवं संसाधन	**53**	7	**60**	**1**	-	**1**
कुल	**318**	**28**	**346**	**28**	**1**	**29**

माह के दौरान समुद्री अनुसंधान पोतों का उपयोग

पोत	समुद्र पर दिन / उपयोग	अनुरक्षण / निरीक्षण / वैज्ञानिक लॉजिस्टिक / क्रूज तैयारी	क्रूज की संख्या
सागर निधि	26	2	1
सागर मंजूषा	16	12	1
सागर तारा	20	8	2
सागर अन्वेषिका	14	14	1
सागर कन्या	0	28	0
सागर सम्पदा	0	28	0

अनुलग्नक II

सं. एमओईएस/20/01/2017-स्था.
भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

पृथ्वी भवन, लोधी रोड
नई दिल्ली 110 003
दिनांक: ....मार्च, 2023

प्रमाण पत्र

(माह फरवरी 2023 के लिए)

प्रमाणित किया जाता है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबंधित सभी पदों के संबंध में विस्तृत स्थिति फरवरी,2023 माह के अंतिम दिन एवीएमएस पर अपडेट कर दी गई है। स्थिति का सार विवरण नीचे दिया गया है:-

(क) एवीएमएस में दर्ज किए जाने हेतु अपेक्षित पदों की कुल संख्या	-13
(ख) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार भरे हुए पदों की संख्या	-12
(ग) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार पूर्णत: रिक्त पदों की संख्या	-01
(घ) अतिरिक्त प्रभार व्यवस्था के अधीन पदों की संख्या	-00
(ङ) आगामी 6 माह में रिक्त होने वाले पदों की संख्या	-00

(धरकत आर. लुइकेंग)
उप सचिव
dharkat@nic.in